दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

वर्ष :- 03 अंक :- 04 मुरादाबाद, 24 April 2023 (Monday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- विश्व में सिर्फ भारत ने श्रीलंका की मदद की, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी बोले

आरएसएस चीफ ने कहा कि आज भारत धर्म के लिए आगे बढ़ रहा है। पहले श्रीलंका और चीन की दोस्ती थी, उन्होंने पाकिस्तान को दोस्त बना लिया, लेकिन हमें थोड़ा दूर रखा। अब जब श्रीलंका पर संकट आया तो किसने मदद की, कौन सामने आया, सिर्फ एक देश भारत। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को एक सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हम धर्म के लिए आगे बढ़ रहे हैं। दूसरे देश बड़े होकर सिर्फ दूसरों पर डंडा चलाते हैं। पहले रूस चलाता था, फिर अमेरिका का वर्चस्व बढ़ा, फिर अमेरिका डंडा चलाने लगा। अब चीन आया है, ऐसा लगता है कि अब वह अमेरिका को पछाड़ देगा।

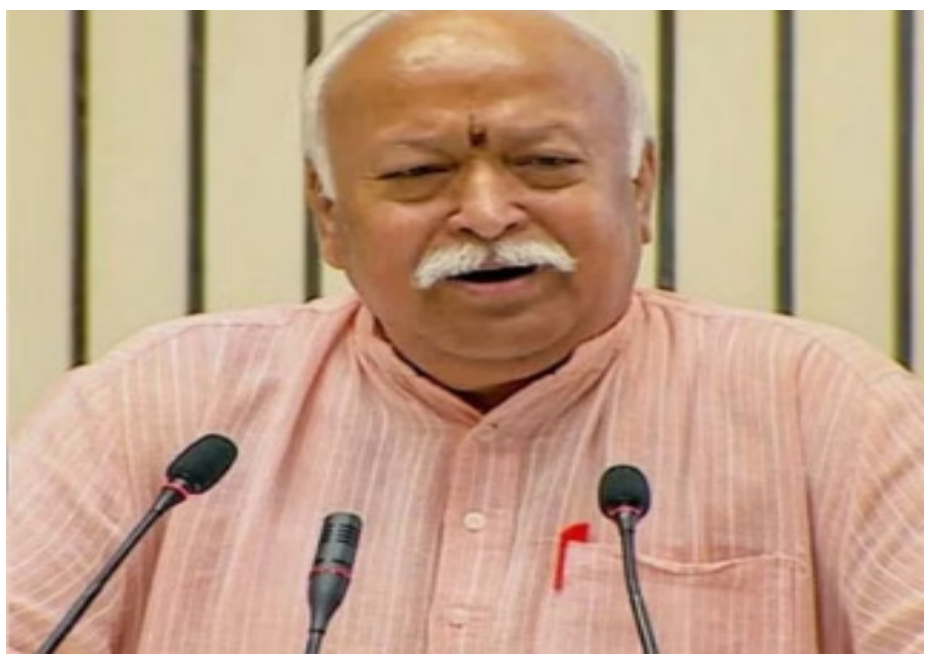

यूक्रेन का साथ देने वाला देश भारत है

मोहन भागवत ने कहा कि यूक्रेन को मोहरा बनाकर अमेरिका और रूस लड़ रहे हैं। दोनों भारत को कहते हैं, हमारे तरफ आओ, हमारा पक्ष लो। लेकिन भारत रूस-अमेरिका से कहता है कि आप भी हमारे दोस्त और आप भी हमारे दोस्त हो, और यह तीसरा जो आप दोनों के बीच दब गया है, वह भी हमारा दोस्त है। इसलिए पहले मैं इसकी मदद करुंगा। भारत का कहना है कि आप दोनों में से मैं किसी का पक्ष नहीं लेता। ये लड़ाई का जमाना नहीं है लड़ना बंद करो।

श्रीलंका की सिर्फ भारत ने मदद की

आरएसएस चीफ ने कहा कि आज भारत धर्म के लिए आगे बढ़ रहा है। पहले श्रीलंका और चीन की दोस्ती थी, उन्होंने पाकिस्तान को दोस्त बना लिया, लेकिन हमें थोड़ा दूर रखा। अब जब श्रीलंका पर संकट आया तो किसने मदद की, कौन सामने आया, सिर्फ एक देश भारत।

हम लोगों की मदद करते हैं संघ प्रमुख का कहना है कि धर्म को मानने वाला देश कभी किसी का लाभ नहीं उठाएगा। परस्पर जीने के लिए हम एक दूसरे का लाभ उठाते हैं, लेकिन वह प्रेम का लेन-देन होता है। सौदा का लेन-देन नहीं होता। भागवत ने आगे कहा कि भारत लाभ ले रहा है, क्यों नहीं लेगा। लेकिन जब हमारे लाभ की आवश्यकता किसी और को है, हमारे कमाए हुए से कोई और भूखा जीवित रह सकता है तो भारत देने वाला देश है।

शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार का डेथ वॉरंट जारी, 15-20 दिन में गिर जाएगी, संजय राउत का दावा

पिछले साल जून में ही शिवसेना नेता शिंदे ने महाविकास अघाड़ी सरकार में रहते हुए बगावत कर दी थी। शिंदे ने शिवसेना के 39 विधायकों को लेकर अपना अलग गुट बना लिया था, जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया था। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार के डेथ वॉरंट जारी हो चुका है और यह सरकार 15-20 दिन में गिर जाएगी। राउत ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी पार्टी कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हमारे साथ न्याय होगा। राज्यसभा सांसद सुप्रीम कोर्ट के उस केस की बात कर रहे थे, जिसमें शिवसेना के 16 बागी विधायकों की अयोग्यता पर फैसला होना बाकी है। गौरतलब है कि शिवसेना के कई नेताओं ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को मानने से इनकार करते हुए अपना समर्थन एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया था। विधायकों की इसी बगावत के खिलाफ ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 16 बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। राउत ने कहा, 卐मौजूदा मुख्यमंत्री और उनकी 40 विधायकों की सरकार 15 से 20 दिनों में ही गिर जाएगी। इस सरकार का डेथ वॉरंट जारी हो चुका है। अब बस इस पर फैसला होना है कि इस पर हस्ताक्षर कौन करेगा।卐 पिछले साल जून में ही शिवसेना नेता शिंदे ने महाविकास अघाड़ी सरकार में रहते हुए बगावत कर दी थी। शिंदे ने शिवसेना के 39 विधायकों को लेकर अपना अलग गुट बना लिया था, जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया था। शिंदे महाविकास अघाड़ी को तोड़ने और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन बनाया था। उन्होंने इसके पीछे वैचारिक मतभेदों और कांग्रेस पार्टी और भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा अनुचित व्यवहार को वजह बताया था। साथ ही शिंदे ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर भी कई आरोप लगाए थे।

अमृतपाल सिंह को असम की डिब्रूगढ़ जेल लाया गया, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम; यहीं बंद है उसका साथी पपलप्रीत

डिब्रूगढ़- पंजाब से खालिस्तान समर्थक अलगाववादी अमृतपाल सिंह को लेकर विशेष विमान रविवार को असम के डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचा। पंजाब पुलिस ने रविवार सुबह अमृतपाल को को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उसे पंजाब के बठिंडा से विशेष विमान के जरिए लाया गया। उसे शहर के केंद्रीय कारागार ले जाया गया। इस जेल में अमृतपाल सिंह के अन्य सहयोगियों के भी बंद होने के कारण सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 卐उसे (अमृतपाल को) लेकर विमान अपराह्न दो बजकर 20 मिनट पर पहुंचा। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद उसे एक सुरक्षा काफिले के बीच डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार ले जाया जाएगा।卐डिब्रूगढ़ यातायात पुलिस से हवाई अड्डे से जेल तक 15 किलोमीटर लंबे रास्ते को बाधा मुक्त रखने को कहा गया है। सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों के अलावा एक विशेष दल को भी तैनात किया गया है।इसी जेल में बंद है पपलप्रीत सिंह -बता दें कि खालिस्तान समर्थक और कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के अन्य सहयोगी भी डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। खालिस्तान नेता के करीबी पपलप्रीत सिंह को

गिरफ्तार किए जाने के बाद 11 अप्रैल को असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल लाया गया था। हू- के तहत किया गया गिरफ्तार- इससे पहले, पंजाब के आईजीपी ने कहा कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के वारंट जारी किए गए थे और उन वारंटों को आज सुबह निष्पादित किया गया है। सुखचैन सिंह गिल ने कहा, अमृतपाल सिंह के खिलाफ एनएसए वारंट जारी किए गए थे और उन वारंटों को आज सुबह निष्पादित किया गया है। अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने आज सुबह करीब 6.45 बजे गांव रोडे (मोगा) में गिरफ्तार किया है।卐 कानून के तहत की जाएगी कार्रवाई- उन्होंने कहा, 卐अमृतपाल सिंह को डिब्रूगढ़, असम भेजा गया है और मामले में कानून व्यवस्था के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन तत्वों के खिलाफ चेतावनी जारी की गई है जो राज्य की शांति और सद्भाव को खतरे में डालने की कोशिश कर रहे हैं।

155 देशों के जल से हुआ राम मंदिर का जलाभिषेक, बाबर की जन्मस्थली से लाया गया जल भी हुआ प्रयोग

अयोध्या में रविवार को दुनिया के 155 देशों की नदियों के लाए गए जल से रामलला के निर्माणाधीन भवन का जलाभिषेक किया गया। कार्यक्रम में 40 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीयों ने हिस्सा लिया।दिल्ली स्टडी ग्रुप अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली के नेतृत्व में दुनिया के सात महाद्वीपों के 155 देशों के पवित्र जल से आज राम मंदिर जलाभिषेक कार्यक्रम अयोध्या जी में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीयों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जय श्रीराम के नारों के बीच, अनेक देशों के राजदूत व राजनयिक भी इस भव्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। फीजी, मंगोलिया, डेनमार्क, भूटान, रोमानियां, हैती, ग्रीस, कोमोरोस, कबेवर्डे, मोन्टीनीग्रो, टुवालू, अल्बानियां और तिब्बत आदि देशों के राजनयिकों ने मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम के इस ऐतिहासिक जलाभिषेक कार्यक्रम में भाग लिया। भूटान, सूरीनाम, फीजी, श्रीलंका व कंबोडिया के वर्तमान राष्ट्राध्यक्षों ने इस अवसर पर अपने शुभकामना संदेश डॉ. जौली को भेजे ।इस अवसर पर अपने स्वागतीय भाषण में डॉ. विजय जौली ने बताया कि बाबर की जन्मस्थली के देश उज्बेकिस्तान के शहर अंदीजांन की प्रसिद्ध कशक दरिया नदी का पवित्र जल भी अयोध्या राम मंदिर जलाभिषेक के लिए विशेष रूप से भारत पहुंचा है। इसके साथ ही रूस व यूकेन के युद्ध ग्रस्त देशों के जल के साथ-साथ, चीन व पाकिस्तान का जल भी अयोध्या राम मंदिर जलाभिषेक हेतु भारत पहुंचा। डॉ. जौली ने कहा कि प्रभु श्रीराम में न केवल भारत, अपितु विश्व भर के लोगों की आस्था व विश्वास है । इस वैश्विक जल को एकत्रित करने में ढाई साल लगे तथा इससे न केवल हिंदुओं अपितु मुसलमानों, ईसाईयों, बौद्ध, सिख, जैन, पारसी समुदाय व विश्व के सातो महाद्वीपों के लोगों ने इस महाअभियान में सहयोग दिया। डॉ. जौली ने इसे ऐतिहासिक व अविस्मरणीय पल बताया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पूने के नौ पंडितों द्वारा संस्कृत मंत्रोच्चारण द्वारा हुआ। विश्व भर से एकत्रित जल पर एक लघु फिल्म शलू कुमारी द्वारा निर्देशित भी दिखाई गई। श्रीराम कथा की संगीतमय प्रस्तुति पुज्यनीय अजय भाई जी द्वारा हुई।

वित्त मंत्री बोलीं- राष्ट्र निर्माण में राज्य का शांत योगदान, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी टिप्पणी

वित्त मंत्री ने कर्नाटक की तारीफ करते हुए कहा कि कर्नाटक काफी विकसित है। यहां के लोग बहुत शिक्षित हैं। कर्नाटक राष्ट्र के निर्माण में चुपचाप अपना योगदान दे रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कर्नाटक के बेंगलुरु पहुंची।

यहां उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित किया। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं इसलिए उन्हें राज्यों की भूमिका के बारे में पता है। राज्यों का हक क्या होता है, पीएम मोदी को पता है। इसलिए देश की संघीय प्रकृति को मान्यता देते हुए उन्होंने राज्यों के साथ परामर्श किया है। कर्नाटक का भी योगदान- वित्त मंत्री ने कर्नाटक की तारीफ करते हुए कहा कि कर्नाटक काफी विकसित है। यहां के लोग बहुत शिक्षित हैं। कर्नाटक राष्ट्र के निर्माण में चुपचाप अपना योगदान दे रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी बोलीं वित्तमंत्री- सीतारमण ने कहा यूरोप में युद्ध हो रहा है। रूस-यूक्रेन जैसे विकसित देश आपस में लड़ रहे हैं। जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। पश्चिमी देशों ने तनावपूर्ण अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए एक फार्मूला विकसित किया है, लेकिन इन फार्मूला का युद्ध के बाद असर दिखा, जो अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक निकला।

संपादकीय Editorial

Most indian

According to the latest report of the United Nations Population Fund, India has become the most populous country. China has been left behind. According to the data till February 2023, the population of India is 142.86 crore and that of China is 142.57 crore.

Indians have become 29 lakh more than the Chinese. This process will continue now, because our average fertility rate is about 2 percent, so the population continues to grow. When India would have completed the century of its independence, then in 2050 our population would be more than 166.8 crores. Comparison with China should be stopped because by 2100, its population may shrink to around 760 million.

India is the youngest country in the world. About 66 percent of the population is below the age of 35. The 15-64 age-group population in India is around 68 per cent. This age group is considered 'working'. There are 53 crore Indians in the age group of 19-40, who are the backbone of the economy and it is on their basis that India will become a 'manufacturing hub'.

The young population is a 'powerhouse' for us. The world's largest market, youngest work force and cheapest labor force is available in India, therefore we are the 'King of the Market' of the world. The examples of the world are in front that if countries like America, China, Japan, South Korea have achieved immense success, then only on the strength of their young population…. Since now their population has started getting old, then the crisis of work is also arising. The news of being 'most Indian' in terms of collective strength, energy, skill, turnover, production etc. is heartening.

It opens up vast skies of hope and possibilities, but concerns and challenges also exist. India's share in the world's population of more than 800 crores is 17.77 percent, but our land area is only 2.5 percent. Resources are also limited.

Although India has such a population, we do not face the situation of starvation and drought-famine, but the distribution of 5 kg of free grain from the country's railway stations, bus stands, metro stations, hospitals, schools, markets, ration depots- When people gather at centers etc., the fear of imbalance starts to arise.

Countless faces are agitated, farmers are forced to burn their crops and unemployed youths start vandalizing in anger, then the population 'Shakti-Punj' seems to be burning the country. Everything becomes questionable. Of course a lot has changed in India. There are about 50 crore workers in the country.

If workers above 15 years of age are also included, then this figure can touch 100 crores. There are not so many workers in any country in the world. Except China, America, Europe, Africa do not even have that much population. About 54 lakh people are employed in the country's technology companies.

During 2022-23, these companies have given jobs to 2.90 lakh people. The employment rate in the March quarter was around 37 per cent. The number of women workers in our country is also considerable, although a lot remains to be done in this context. With the skilled workforce in India, we can become a $7 trillion economy by 2030.

The huge and widespread population is not a burden on us, but it is very important to implement the schemes meaningfully. India can prove that even the largest population can be positive.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Raj-Society: Fear of civil society, some political parties do not like such organizations

The Janata Dal (U) and the BJP did not send their representatives when the Civil Society Forum in Bengaluru recently released a citizen's manifesto in view of the assembly elections. While the JD(U) is perhaps indifferent to civil organisations, the BJP does not like the independence of civil organisations. Earlier this month, three dozen voluntary organizations in Karnataka came together to prepare a manifesto for political parties contesting assembly elections in the state. In this 'Civil Society Forum', groups fighting for the rights of Dalits, women and slum dwellers, groups active in the field of education, health and sanitation and political parties by fully implementing the 73rd and 74th amendments of the Indian Constitution There are pressure groups for decentralization. His 20-page manifesto has been published in both English and Kannada. It covers a range of issues that reflect the priorities of the participating groups as well as the challenges faced by the people of the state. The Civil Society Forum has asked all political parties to include these demands in their own manifestos and take decisions in favor of them if elected to the Legislative Assembly. The distribution of the manifesto was followed by a meeting in which representatives of political parties were invited. I also attended the meeting and watched the proceedings with keen interest. It started with the presentation of civil society activists related to governance, health, education, agriculture, social justice etc. and ended with the reactions of the visiting politicians and answering the questions of the audience. The discussion was constructive. However, representatives of two of the three major political parties in the state did not attend the meeting. These parties are Janata Dal (Secular) and Bharatiya Janata Party. The Congress, the third largest party in Karnataka, had sent a representative. Apart from this, the Aam Aadmi Party, which is trying to make a mark in the state, and the CPI (Marxist Communist Party), which still has influence in some parts of the working class districts, also sent their representatives. The organizers made several calls to the Janata Dal (S) and the BJP, but none of these parties sent their spokespersons, despite making promises. Why is it like this? My guess is that in the case of JD(S) it was probably apathy. The party does not care about civil society. However, in the case of the BJP, its refusal to attend the meeting was almost certainly based on its strong dislike for civil society organizations that operate independently. The BJP's dislike for civil society has its roots, to some extent, in the ideological orientation of the Rashtriya Swayamsevak Sangh. Totalitarian in nature, the RSS seeks to control all spheres of social and cultural life in India. Wherever it works—between farmers, tribals, women, students, neighborhood groups—it seeks no competition. Another, and perhaps more important, reason for civil society's dislike of the BJP is the personality of the current prime minister. Innate authoritarian Narendra Modi while in power wants to control the governance and administration completely. As Chief Minister of Gujarat, he came down hard against civil society groups in the state. During the last nine years that Narendra Modi has been in power, his government has shown bitter hostility towards NGOs. Organizations doing excellent work in the field of education, health, policy research and social welfare and not even having any affiliation with any political party or religious organization, have been subjected to tax raids and receiving donations under the FCRA (Foreign Contribution Control) Act. Has been harassed by withdrawing the approval. Many organizations have been victimized, of which Oxfam and the Center for Policy Research are just a few examples. At the same time, there is no indirect bar on taking funds from abroad for Hindutva groups liberal towards the current regime. A few years back, when the FCRA registration of non-communal organizations was canceled while non-resident Hindus were freely funding RSS-affiliated bodies, Kannada cartoonist P. Mahmood sarcastically remarked: 'Modi ji It is said, One Nation, One NGO. In fact, when it was in power between 2004 and 2014, the Congress too misused the FCRA Act to harass NGOs, especially those working on environment and human rights. At the same time, the Congress also sought advice from civil society groups regarding social welfare policies (such as the Rural Employment Guarantee Scheme). The present BJP government in power mistrusts all civil society organizations unless they enthusiastically promote its majoritarian Hindutva agenda, as well as the personality cult of the Prime Minister himself. This fear of civil society is related to the fear of independent investigation of the current government in general. This is the reason why in an extraordinary and unprecedented manner the Prime Minister has not held a single press conference in his two terms. Hence the attacks of the government on those sections of the press which are still relatively free. That's why journalists and student activistswere sent to jail under the heinous UAPA, hence the poisonous propaganda against the commendable peaceful protests against the (unpleasant) CAA and farm laws. Hence the denial of research visas to foreign scholars, and curbs on seminars run by Indian nationals in Indian universities. Again, in fairness it must be acknowledged that many state governments run by parties other than the BJP also do not appreciate independent evaluation of their policies much. This was true during the CPI(M) rule in West Bengal and is now true under TMC, in Tamil Nadu under AIADMK and is now true under DMK, YRS Congress rule in Andhra Pradesh and TRS rule in Telangana. However, the BJP has taken this hostility towards civil society and free thought to a whole new level. Writing in the 1830s, the French thinker, Alexis de Tocqueville, argued that American democracy was nurtured by its flourishing voluntary associations. At the time, aristocratic Europe may have been sluggish, but by the end of the 19th century it had several thriving voluntary associations of its own. These were of two types, critical and constructive. The first tried to highlight the state's failures to free its citizens from want or fear; Others sought to compensate for these failures by setting up schools, hospitals, etc. themselves. Writing nearly two centuries after Tocqueville, I subscribe to his view that the health of a country's civil society can serve as an index of the health of its political system as a whole. In this regard, India was perhaps the most democratic in the decades since the Emergency ended. Yet, since 2014, the state began to show its might against groups and organizations that operate autonomously. The reason why BJP did not send its representative to the recent meeting of the Civil Society Forum in Bengaluru was not due to mistake or lapse, but it was done after careful consideration. The BJP sees a free press and a strong civil society as adversarial to propagating its ideology and maintaining its rule.

Perspective: What did Ambedkar think about population, Baba Saheb is remembered after reaching the peak of population

According to the recently released 'State of the World Population Report, 2023', India has become the most populous country in the world. The worrisome thing is that the communities in India where poverty is high, the level of female education is low, the lifestyle is irrational and unscientific, the graph of population is on the rise. Child marriage is still prevalent in rural India. Girls become mothers even before the actual age of marriage. However, health care has increased in the country, due to which the death rate has decreased and the population has increased. Even in the peak period of Corona here, the death rate has been less than that of China. But the quality of life is not being assessed properly. After the new figure of population came, arrogant China is saying that we have definitely fallen behind in population, but are ahead in the quality of life of the citizens. Before independence, didn't our nation-builders, thinkers and planners express any concern about the population? What were the concerns and plans of the national leaders regarding the population policy in the context of building a new India? The question is also that what is the relation of constitution maker Ambedkar with the population. The first census in India was done in the year 1872 during the rule of Governor General Lord Mayo. Later, Bhimrao Ambedkar, as a researcher of economics, analyzed that census. But he was not able to add much to the constitution immediately. 'Family planning must be there', this idea was first and publicly expressed by Dr. Ambedkar among Indian leaders. He was about to go to the Bombay Legislative Assembly with a proposal on 'Progeny Regulation i.e. Family Planning', but at that time he had become so unwell that the doctor had given him strict instructions for bed rest. So he presented that proposal in the Bombay Legislative Assembly on January 10, 1938 through Mr. PJ Rohan. His suggestion was that the governments should vigorously promote family planning and the common citizens should be made easily accessible to prevent birth control. Dr. Ambedkar had raised the issue of population balance when India's population was only 30 crores. He was an optimist, but knew that social communities with high levels of illiteracy and poverty would also have high populations. Deeply knowledgeable about economic-social issues, Ambedkar wanted to make a far-reaching plan for population balance. He was not given the opportunity to do that work, but the effect of his suggestions was more or less on the government schemes. According to the introduction of his family planning, during his lifetime i.e. in 1952, 'family planning' had to become a part of state programs, but two decades after his death, in 1976, the 42nd constitutional amendment included 'population control and family planning work' in the list. ' added.We have always been talking about various aspects of population here. In the year 1968, the boundary line of 'Hum Do, Hamare Do' was fixed for promotion. But it was not followed. Indira Gandhi implemented the 20-point program including population control during the Emergency at such an impractical and extreme pace that forced 'vasectomy' became a major reason for her defeat in the post-Emergency elections. In the year 1992, the Narasimha Rao government talked about a two-child policy for MPs and MLAs. But it could not be implemented. In Uttar Pradesh, the decision of civil servants having a child was also changed.The first census in independent India was held in 1951. The population of the country then (36 crores) is now that of Scheduled Castes/Tribes. It is understandable to anyone that it is more important than having many children that they are healthy, active and successful. Population density poses many challenges before the nation. For example, the utility of the age-period of the citizens, the expected increase in public health facilities to increase the quality of life, universal access to treatment and medicines, complete solution to the problem of hunger, increase in the quality of vocational education and inclusiveness. To be etc.High and in which castes it is low. Dr. Ambedkar was once called audacious for his scientific views on population. Even today, the majority of Indians are not concerned about the expected population imbalance. We are celebrating Amritosav on completion of 75 years of independence.

दर्दनाक: मुरादाबाद में कुत्तों के झुंड ने मासूम को नोच-नोचकर मार डाला, बहन के साथ पिता को देने जा रहा था चाय

मुरादाबाद -कोतवाली क्षेत्र के रुस्तमपुर खास गांव में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। खेत पर पिता को चाय देने जा रहे सात वर्षीय बच्चे को जंगल में कुत्तों के झुंड ने नोच कर मार डाला। आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने बच्चे को कुत्तों को छुड़ाया। परिजन और ग्रामीण उसे सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थी। गांव रुस्तमपुर खास निवासी नेम सिंह यादव मजदूरी और किसानी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। रविवार सुबह वह अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे। सुबह लगभग 9-30 बजे सात वर्षीय बेटा सर्वेंद्र और बेटी राधिका खेत पर चाय देने जा रहे थे। तभी जंगल में दर्जन भर कुत्तों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। कुत्तों ने सर्वेंद्र को नोचना शुरू कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। गर्दन, सर और मुंह पर गहरे घाव हो गए। इस दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने कुत्तों से बालक को छुड़ाया। जिसके बाद परिजनों के साथ उसे सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, चिकित्सकों ने भी जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बताया कि सर्वेंद्र गांव के ही सरकारी स्कूल में कक्षा दो का छात्र था।

सपा विधायक ने पीड़ित परिवार को दी सांत्वना

दिल दहला देने वाली घटना की सूचना पर सपा विधायक मोहम्मद फहीम इरफान तत्काल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे जहां उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव आर्थिक मदद देने का वादा किया और उन्होंने तत्काल ही एसडीएम राजबहादुर सिंह से आवारा कुत्तों को पकड़वाने को कहा। विधायक ने कहा कि दिल को झकझोर देने वाली घटना बेहद ही दुखद है।

कुत्ते पकड़वाने को ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

बिलारी। ग्राम प्रधान सोमपाल ने कहा कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में खूंखार कुत्ते हैं जो पूर्व में भी कई घटना कर चुके हैं बताया कि कई बार बकरियों और भैंसों के बच्चे भी हमले का शिकार हो चुके हैं जिनकी मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि पूर्व में अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत की जा चुकी है।

परंतु अभी तक आवारा कुत्ते नहीं पकड़े जा सके हैं इस दौरान ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि इस समय ग्रामीण खेतों में काम कर रहे हैं। बताया कि जंगल में जाने में सभी को खतरा महसूस हो रहा है। प्रदर्शन करने वालों में पान सिंह सत्यवीर सिंह रामवीर सिंह संजीव कुमार ,राजू कुमार, हरिओम ,नरेश कुमार ,धर्मवीर ,जोगिंदर सिंह ,राम भरोसे रायसिंह ,पंकज कुमार, प्रदुमन कुमार, जीतपाल शर्मा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बच्चों को घर से नहीं निकलने दे रहे ग्रामीण

बिलारी। 7 वर्षीय मासूम बच्चे के साथ हुई दिल दहला देने वाली घटना से ग्रामीण दहशत में है ग्रामीण अपने बच्चों को खेत पर जाना तो छोड़ो ,घर से भी नहीं निकलने दे रहे हैं।

परिवार में सबसे दुलारा था सर्वेंद्र

बिलारी। खूंखार कुत्तों के हमले में जान गंवाने वाला सर्वेंद्र 7 साल का था परिवार में सबसे छोटा था सभी परिवार वाले उसे बेहद लगाव रखते थे बताया कि वह रविवार होने की वजह से स्कूल नहीं गया था वह पढ़ाई में भी होशियार था

पिता नेम सिंह ने बताया कि वह खेत पर नहीं जाता था। आज स्कूल नहीं जाने की वजह से वह जिद करके खेत पर चला गया।

50 लाख की धोखाधड़ी में निर्यातक पिता-पुत्रों के खिलाफ केस दर्ज

मुरादाबाद - कटघर थाने में निर्यातक और उनके दो बेटों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। जिसमें प्रॉपर्टी डीलर ने आरोप है कि निर्यातक की जमीन खरीदने के लिए उन्हें एडवांस में पचास लाख रुपये दिए थे लेकिन निर्यातक और उनकी बेटों ने किसी दूसरे को जमीन का सौदा कर दिया। रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी दी है। गलशहीद के सीधी सराय निवासी शहजाद अहमद ने कोर्ट की शरण लेते हुए सिविल लाइंस के टीडीआई सिटी निवासी उमेश चंद्र गुप्ता, उनके बेटे हिमांशु और दिपांशु के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें शहजाद अहमद ने बताया कि उनकी फर्म कमीशन पर भूमि खरीदने और बेचने का काम करती है। निर्यातक उमेश चंद्र और उनके बेटों से मुलाकात हुई थी। उन्होंने अपने कटघर क्षेत्र स्थित दो भूखंड बेचने की बात कही थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि पड़ोसी भूखंड बेचने में बाधा डालते हैं। वह भूखंड बेचना चाहते हैं। 25 अगस्त 2022 को शहजाद और उमेश गुप्ता के बीच एक भूखंड का सौदा 76 हजार प्रति वर्ग गज के हिसाब से तीन करोड़ 97 लाख 48 हजार रुपये में सौदा तय हुआ था। शहजाद का दावा है कि उन्होंने 25 लाख रुपये चेक और बाकी कैश के जरिए दिए। इसके अलावा 25 अगस्त 2022 को दोनों के बीच दूसरे भूखंड का अनुबंध हुआ। इसका सौदा चार करोड़ 43 लाख 85 हजार रुपये में तय हुआ। इसके लिए भी शहजाद की फर्म की ओर से 25 लाख रुपये चेक और कैश के रूप में दिए थे। उमेश गुप्ता दूसरे भूखंड के पूर्ण स्वामी नहीं थे। फिर भी उन्होंने आश्वासन दिया कि अन्य वारिसान का अंश भी वह कंपनी को दिला देंगे। पिता-पुत्रों ने भूखंड पर कब्जा करा दिया था। शहजाद ने वहां अपना दफ्तर खोल लिया और स्टाफ रखकर भूखंड की बिक्री के लिए प्रचार शुरू कर दिया था। 06 दिसंबर 2022 को पित-पुत्र आ गए और जमीन पर दोबारा कब्जा करने लगे। विरोध पर शहजाद के साथ गाली गलौज की और धमकी दी। इसके बाद जमीन पर कब्जा कर लिया। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर केस किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑन डिमांड तमंचा बनाने के खेल का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद- ऑन डिमांड तमंचा बनाकर बेचने वाले गिरोह के दो सदस्य शुक्रवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गए। दोनों के कब्जे से पुलिस ने एक राइफल, सात तमंचा, तीन अर्धनिर्मित तमंचे के अलावा कारतूस बरामद किए हैं। आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए मैनाठेर पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एसएसपी ने पुलिस टीम को 25,000 रुपये इनाम देने की घोषणा की। एसपी देहात संदीप कुमार मीणा ने बताया कि मैनाठेर थाने के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार की सुबह सुंदरपुर गांव स्थित अमरूद के एक बाग में छापेमारी की। झाड़ियों में छिपे दो युवक तमंचा बनाने में जुटे थे। छापेमारी की भनक लगते ही दोनों युवक भागने की कोशिश करने लगे। तब घेराबंदी करते हुए दोनों युवकों को पुलिस ने दबोच लिया। मौके पर लोहे गलाने वाली भट्ठी धधकती मिली। आरोपियों की पहचान कमल किशोर निवासी ग्राम मिलक चेतरी थाना कुंदरकी व चौधरी सिंह निवासी ग्राम सूरजपुर कल्याण नगलिया थाना मैनाठेर के रूप में हुई। दोनों के कब्जे से एक देसी राइफल, सात तमंचे, तीन अर्धनिर्मित तमंचे पुलिस ने बरामद किए। मौके से 315 व 12 बोर के दो कारतूस के अलावा गैस कटर, लोहा गलाने की भट्ठी, हथोड़ी, रेती समेत अन्य उपकरण बरामद बरामद हुआ। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार करते हुए उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। वहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

चार से छह हजार रुपये में बेचते थे तमंचा

मुरादाबाद, अमृत विचार। एसपी देहात ने बताया कि कमल किशोर तमंचा बनाने का एक्सपर्ट है। ऑन डिमांड अवैध हथियार बनाकर महज चार से छह हजार रुपये में वह बेचता है। पूछताछ में उसने बताया कि तमंचा बनाने के लिए वह सम्भल से कच्चा माल खरीदता था। वर्ष 2012 में वह पहली बार तमंचे के साथ पकड़ा गया। जमानत पर रिहा होने के बाद वह दोबारा कभी भी पुलिस के हाथ नहीं लगा। पूछताछ में कमल ने बताया कि वह अनपढ़ है। चौधरी सिंह तमंचे का सौदा व सप्लाई करता था। रामपुर, सम्भल, मुरादाबाद में रहने वाले कई लोगों को वह तमंचा बेच चुका है। कमल ने तमंचा खरीदने वाले छह से सात लोगों के नाम भी बताए।

ग्राहक बनकर पुलिस ने गिरोह को दबोचा

मुरादाबाद, प्रभारी निरीक्षक मैनाठेर मनोज कुमार ने बताया कि तमंचे की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने के लिए पुलिस ने पहले योजना बनाई। मुखबिर ने ऑन डिमांड तमंचे की फैक्ट्री का पता बताया। तब प्रभारी निरीक्षक ने तमंचे की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने की जिम्मेदारी अपने एसएसआई को दी। सादे वर्दी में दो पुलिस कर्मियों ने चौधरी सिंह से मुलाकात की। तमंचे की जरूरत बताते हुए असलहा उपलब्ध कराने की मांग की। आठ हजार रुपये में दो तमंचे खरीदने पर सहमति बनी। तमंचा बनने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों आरोपियों को मौके से साक्ष्य के साथ पुलिस ने दबोच लिया।

चुनाव में बढ़ी तमंचे की डिमांड

मुरादाबाद, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चौंकाने वाला दावा किया। बताया कि निकाय चुनाव आते ही तमंचे की डिमांड बढ़ गई है। प्रतिमाह दोनों आरोपी 15-20 तमंचा बेच रहे थे। एक तमंचा बनाने में महज चार से पांच सौ रुपये का खर्च आता था। ऐसे में दोनों आरोपी प्रति तमंचा चार से पांच हजार रुपये आसानी से कमा लेते थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तमंचा बनाने के खेल में लिप्त अन्य बदमाशों का सुराग लगाया जा रहा है। सम्भल से कच्चे माल की आपूर्ति करने वालों तक पहुंचने की कोशिश शुरू कर दी गई है। मामले में कुछ और आरोपियों के पकड़े जाने की संभावना है।

कब्रिस्तान में मिला युवक का क्षत-विक्षत शव, हत्या की आशंका

पाकबड़ा (मुरादाबाद)- पाकबड़ा में ज्यारत वाली कब्रिस्तान में एक युवक का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। हत्या कर शव फेंकने की आशंका जाहिर की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच में जुट गई है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

www.knlslive.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

सपा की मेयर प्रत्याशी अर्चना वर्मा भाजपा में शामिल, लखनऊ में डिप्टी सीएम ने दिलाई सदस्यता

शाहजहांपुर में निकाय चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) को बड़ा झटका लगा है। अर्चना वर्मा भाजपा में शामिल हो गई हैं। इन्हें सपा ने महापौर प्रत्याशी घोषित किया था, लेकिन रविवार को उन्होंने सपा से नाता तोड़कर सबको चौंका दिया। लखनऊ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अर्चना वर्मा को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना भी मौजूद रहे। अर्चना वर्मा वर्ष 2005 में जिला पंचायत अध्यक्ष बनीं थीं। वह चार बार विधायक और सपा सरकार में मंत्री रहे राममूर्ति वर्मा के बेटे राजेश वर्मा की पत्नी हैं। राजेश वर्मा 2022 के विधानसभा चुनाव में ददरौल सीट से सपा के प्रत्याशी थे। सपा ने 12 अप्रैल को महापौर प्रत्याशी के तौर पर अर्चना वर्मा के नाम की घोषणा की थी। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनको चुनाव लड़ाने की तैयारी में जुटे थे, लेकिन ऐन वक्त पर अर्चना ने पाला बदल दिया।

फिर धोखा खा गई सपा

दो साल पहले जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भी भाजपा ने सपा को ऐसे ही झटका दिया था। ऐन मौके पर सपा प्रत्याशी वीनू सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया था। भाजपा प्रत्याशी ममता यादव निर्विरोध जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हो गईं थीं। निकाय चुनाव में भी भाजपा ने पुराने दांव से सपा को बड़ा झटका दिया है।

सपा के कार्यक्रम में हुई थीं शामिल

रविवार को राममूर्ति सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर अर्चना वर्मा के आवास पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। अर्चना वर्मा भी वहां मौजूद थीं। सपा जिलाध्यक्ष के साथ तमाम पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ मीडिया का जमघट भी लगा हुआ था। यहां पर पार्टी जिलाध्यक्ष और पति राजेश वर्मा से जब पत्रकारों ने अर्चना वर्मा के भाजपा में शामिल होने की अटकल के बारे में पूछा तो उन्होंने सख्ती से मना कर दिया। सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने कहा कि अर्चना वर्मा के सपा प्रत्याशी बनने के बाद से भाजपा घबरा गई है। उसे कोई प्रत्याशी नहीं मिल रहा है। इसी वजह से अब तक घोषणा नहीं की गई है। दोपहर करीब ढाई बजे तक सपाई अर्चना वर्मा के आवास पर मौजूद रहे। बताया जाता है कि इसके बाद अर्चना वर्मा वहां से निकल गईं।सपा ने 12 अप्रैल को महापौर प्रत्याशी के तौर पर अर्चना वर्मा के नाम की घोषणा की थी, लेकिन नामांकन की अंतिम तिथि से एक दिन पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। ऐसे में सपा को बड़ा झटका लगा है

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

लिंग परीक्षण करते धरे गए, एक महिला करती जांच, युवक लाता कस्टमर, सिस्टम से चल रहा था पूरा रैकेट

आगरा में छापेमारी के दौरान लिंग परीक्षण करने वाले रैकेट का खुलासा हुआ। मौके से परीक्षण कर रही महिला सहित दो गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं जांच के लिए आईं तीन महिलाएं भी मिली। किराए के घर में पूरा रैकेट चल रहा था। उत्तर प्रदेश के आगरा में भ्रूण परीक्षण करने वाले रैकेट का खुलासा हुआ है। सूचना पर कमिश्नर की स्वाट टीम के साथ नायब तहसीलदार व पुलिस की सर्विलांस टीम ने छापेमारी की। आरोपी एक घर के अंदर यह रैकेट संचालित कर रहे थे। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं मिलीं। मामला किरावली थाना क्षेत्र के अभुआपुरा गांव की है। यहां एक घर में लिंग परीक्षण किया जाता था। सूचना पर रविवार की सुबह कमिश्नर की स्वाट टीम प्रभारी अजय कुमार के साथ, स्वास्थ्य विभाग की टीम व पुलिस की सर्विलांस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान मौके पर जांच कराती आधा दर्जन महिलाएं मिलीं।

मशीन को ऑपरेट कर रही थी महिला

हैरान करने वाली बात यह मिली कि जांच के लिए उपयोग की जानी मशीन को एक महिला ही ऑपरेट कर रही थी। पकड़ी गई महिला पहले भी लिंग परीक्षण में जेल जा चुकी है। साथ ही सहायता कर रहा एक युवक भी पकड़ा गया है। सूचना पर नायब तहसीलदार अमित मुद्गल भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने टीम से बात करके पूरी जानकारी ली। टीम ने मौके से पोर्टेबल मशीन भी बरामद की है।

इस तरह काम करता है रैकेट

पुलिस के मुताबिक गांव निवासी कमलेश के घर छापेमारी की गई। यहां भ्रूण का परीक्षण होते मिला। पूरे रैकेट का मास्टर माइंड खेड़ाजाट निवासी विक्रम है। करीब छह महीने पहले यह घर किराए पर लिया गया था। यहां अल्ट्रासाउंड मशीन ऑपरेट करने के लिए एत्माद्दौला थाना क्षेत्र निवासी उमेश सिंह की पत्नी सरिता को रखा गया था। इसके साथ ही सिकंदरा निवासी संजय भारद्वाज भी रैकेट में शामिल है। वहीं सुनारी गांव का रहने वाला नरेंद्र लिंग परीक्षण के लिए कस्टमर लेकर आता था।

उपचार के दौरान बच्चे की मौत, इलाज में लापरवाही का आरोप

अलीगढ़ में अतरौली कोतवाली क्षेत्र निवासी चार वर्षीय बच्चे की कस्बा के एक निजी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

गांव नगला धनसारी निवासी पूनम की शादी लगभग सात वर्ष पूर्व कस्बा अतरौली के छर्रा रोड निवासी बाबू सिंह के साथ हुई थी। शनिवार की शाम को पूनम मायके में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पति बाबू सिंह, एक पुत्री व चार वर्षीय पुत्र कुनाल के साथ नगला धनसारी आई थी। रविवार की सुबह कुनाल को पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजन कस्बा के एक निजी चिकित्सालय में लेकर पहुंचे। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि चिकित्सालय के कर्मियों ने एक्सरे करके बच्चे को इंजेक्शन दिया था। आधा इंजेक्शन लगाते ही कुनाल की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। बच्चे के पिता ने चिकित्सक के खिलाफ तहरीर दी है।

ताज़ा खबरों के लिए देखे
www.knlslive.com

तेंदुए ने गाय को बनाया अपना शिकार, इलाके में दहशत का माहौल

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले के वन परिक्षेत्र बिहारपुर के अंतर्गत जंगल से लगे ग्राम पंचायत महूली में एक बार फिर तेंदुए ने एक गाय को अपना शिकार बनाया है। इस जंगल से जंगली जानवरों का परंपरागत शिकार खत्म हो गया है। या कहा जाय की खत्म होने के कगार पर है। और बीते कुछ साल में तेंदुए के संख्या में इजाफा हुआ है। जिस कारण यहा जंगली जानवर अब पालतू मवेशियों को अपना शिकार बना रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार महूली के अंतर्गत जंगल से लगे गांव में तेंदुए ने एक गाय को अपना शिकार बनाया है। यह पहला मामला नहीं है कि किसी पालतू मवेशी का शिकार बनाया गया हो, अवैध शिकार से पूरी तरह खत्म हो चुके हिरण की प्रजाति इन जंगली जानवर तेंदुए, बाघ ,भालू के परम्परा गत शिकार है। पर इंसानी लालच के चलते जंगली जानवरों का शिकार हो रहा है। और जिस कारण जंगली जानवर धीरे-धीरे गांव की ओर रुख कर रहे हैं। और मवेशी को शिकार कर रहे। यह घटना बीती शनिवार रात की है बता दें कि ग्राम महूली के हरजन पारा से आधा किलो मीटर दूर बिहारपुर उमझर मार्ग में सड़क से लगा स्थित है। गाय का शिकार किया गया है। गाय अपनी जान बचाने तेंदुए के साथ भीड़ गई, पर अधेड़ गाय अपनी जान बचाने में कामयाब नहीं हो सकी होगी। तेंदुए ने गाय को अपना निवाला बनाया। देख कर यह अंदाजन लगाया जा सकता है कि यह एक तेंदुआ ऐ बाघ का काम हो सकता हैं। क्योंकि आधे से ज्यादा मृत गाय के शरीर को खा चुके हैं। जिससे लगता है कि यह दो तेंदुए यह बाघ का काम हो सकता है। वहीं बिहारपुर क्षेत्र में लगातार जंगली जानवर मवेशिय को अपना शिकार बना रहे हैं एक दर्जन से अधिक मवेशीय को बिहारपुर क्षेत्र में जंगली जानवर मौत का घाट उतार शिकार बना लिया है वही बता दे कि यहां वन विभाग एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र का जंगल है विभाग के जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र से हमेशा नदारद रहते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में आग लगने से जंगली जानवर गांव की ओर आ रहे हैं और मवेशियों को अपना शिकार बना रहे हैं इसके बारे में तब बिहारपुर रेंजर मेवालाल पटेल से बात करने की प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल बंद होने से उनसे संपर्क नहीं हो पाया

कंप्यूटर कोचिंग से घर जा रही छात्रा को ट्रेलर ने कुचला, सहेली की बाल-बाल बची जान

वाराणसी-बाबतपुर एयरपोर्ट मार्ग पर हरहुआ चौराहे के समीप रविवार शाम कोचिंग से घर जा रही छात्रा को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसकी सहेली की जान बाल-बाल बची।

वाराणसी-बाबतपुर एयरपोर्ट मार्ग पर हरहुआ चौराहे के समीप रविवार शाम कोचिंग से घर जा रही छात्रा को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसकी सहेली की जान बाल-बाल बची।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे छात्रा के परिजनों ने जाम लगाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने किसी तरह से सभी को समझा-बुझाकर शांत करा दिया। बड़ागांव थाना क्षेत्र के भटौली गांव की रहने वाली नेहा पटेल (20) पांडेयपुर में कंप्यूटर कोचिंग करने गई थी। कोचिंग सेंटर से वह अपनी सहेली काजीसराय की रहने वाली प्रीति के साथ साइकिल से वापस लौट रही थी। नेहा बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ चौराहे के समीप पहुंची थी, उसी समय हरहुआ से बाबतपुर की तरफ जा रहे ट्रेलर है उसको टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद नेहा सड़क पर गिरी तो ट्रेलर उसे कुचलता हुआ तेजी से आगे बढ़ गया। हादसे में प्रीति बाल-बाल बच गई। परिजनों ने बताया कि नेहा चार भाइयों की एकलौती बहन थी। दो साल पहले ही उसके पिता की मौत हुई थी। बड़ागांव थाने की पुलिस ने नेहा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

मेरी भी ईद होती गर तेरा दीदार हो जाता

एन.राज शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

शाहजहाँपुर- तुलसी-मीर फाउंडेशन की एक काव्य-गोष्ठी संस्थाध्यक्ष इशरत सग़ीर के आवास पर सम्पन्न हुई। ईद के उपलक्ष्य में आयोजित इस काव्य-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कवि ज्ञानेन्द्र मोहन %ज्ञान% ने कहा- खूब इबादत में गुजरा है जब माहे रमज़ान। लेकर आई ईद सभी के चेहरों पर मुस्कान। इशरत सग़ीर ने फरमाया- यादों में लगे फिर से हमारी, मेले। तब जाम छलकते थे अब आँसू छलके। वो लोग कहाँ मिलते हैं मिलने वाले, हम ईद मना लेते हैं जैसे-तैसे। कवि पीयूष शर्मा ने दिवाली, राम नवमी और होली की मिठाई संग, हमारे देश को महका रही रमज़ान की खुश्बू।

विकास सोनी ऋतुराज ने सद्भावना की बात यूँ कही- सदा दीपावली महकी, सदा रमज़ान महका है। हमारे आपसी सौहार्द से, ईमान महका है। चढ़ा चिश्ती का रंग हम पर, तुम्हें मोहन लगे प्यारे। मोहब्बत के इन्हीं रंगों से, हिंदुस्तान महका है। आतिश मुरादाबादी ने अपने दिल की बात यूँ कही- ग़मे दिल को ख़ुशी मिलती गुले गुलज़ार हो जाता। मेरी भी ईद होती गर तेरा दीदार हो जाता। अंत में संस्थाध्यक्ष इशरत सग़ीर ने आभार ज्ञापित किया।

बुड्ढा दरिया एक्शन फ्रंट ने विधायक हरदीप सिंह मुंडियां की अनुपस्थिति में विधायक हरदीप सिंह मुंडियां के पीए को दिया ज्ञापन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पंजाब के दक्षिण पश्चिम मालवा क्षेत्र एवं राजस्थान के लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले बुड्ढा दरिया के निरंतर प्रदूषण के खिलाफ विरोध को चिह्नित करने के लिए कार्यकर्ता स्वयंसेवकों ने बुड्ढा दरिया पदयात्रा - 2 के चरण - 1 की शुरुआत की। मिशन का उद्देश्य जल निकायों के प्रदूषण, उपमृदा जल और मिट्टी के क्षरण के खिलाफ जागरूकता फैलाना और विरोध करना है। पदयात्रा 2 के अध्ययन पर आधारित एक पत्र तैयार किया गया है जिसे मुख्यमंत्री पंजाब को संबोधित किया गया है, और इसकी प्रतियां पंजाब और भारत सरकार के संबंधित मंत्रियों को भेजी गई हैं। इस पत्र में बुड्ढा दरिया कायाकल्प प्रक्रिया की प्रगति में आ रही बाधा, विलम्ब और परियोजना की सफलता को प्रभावित कर विफलता की ओर ले जाने वाले कारणों पर प्रकाश डाला गया है। उक्त पत्र की प्रति उन सभी आठ विधायकों को दी जा रही हैं, जिनके निर्वाचन क्षेत्र बुड्ढा दरिया के कारण प्रभावित हैं और / या दरिया को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषित कर रहे हैं। पुडा मैदान में एक घंटे तक धरना एवं विरोध प्रदर्शन

के बाद प्रदर्शनकारी विधायक साहनेवाल के आवास पर पहुंचे। पदयात्रा 2 के चरण-1 में पत्र/ज्ञापन की प्रति विधायक हरदीप सिंह मुंडियां की अनुपस्थिति में विधायक साहनेवाल के पीए हरदीप सिंह मुंडियां को सौंपी गई। उनकी अनुपस्थिति बुड्ढा दरिया और सतलुज के प्रदूषण के ऐसे गंभीर और अत्यधिक चिंतनीय मुद्दे के प्रति उनकी गंभीरता को दर्शाती है, जबकि उन्हें समय पर सूचित कर दिया गया था। गौरतलब है कि साहनेवाल विधानसभा क्षेत्र प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है। दरअसल, बुड्ढा दरिया का प्रदूषण उक्त खंड से शुरू होता है लेकिन इसका अधिकांश क्षेत्र नगरपालिका सीमा के बाहर आता है। लुधियाना में धारा 144 लागू होने के कारण सीपी पुलिस, लुधियाना द्वारा निर्धारित वर्धमान मिल के सामने पुडा ग्राउंड में आज का विरोध और जागरूकता का आयोजन किया गया। टीम के सदस्यों ने मौन विरोध के रूप में विरोध किया और बुद्ध दरिया, सतलुज और भूमिगत जल के प्रदूषण के कारण गंभीर स्थिति के खिलाफ फ्लायर्स, बैनरों और चण्डीगढ़ रोड आने जाने वालों से बातचीत कर जागरूकता फैलाने के साथ विरोध किया गया। आज के टीम लीडर के रूप में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मनिंदरजीत सिंह बिनपाल ने किया। आज के कार्यक्रम में मनिंदरजीत सिंह बिनपाल, सरबजीत सिंह करवाल, शमिंदर सिंह लोंगोवाल, सुखविंदर सिंह, जीएस बत्रा, सुभाष चंदर, हरपाल सिंह दुगरी, एडवोकेट रविंदर सिंह अरोड़ा, एडवोकेट योगेश खन्ना, दान सिंह, गुरप्रीत सिंह प्लाहा, महिंदर सिंह सेखों, डॉ. वीपी मिश्रा, विजय कुमार, जेएस घुमन, हरजीत सिंह, सतविंदर सिंह, अगमप्रीत सिंह, वरिंदर सिंह चीमा और कर्नल सीएम लखनपाल प्रमुख रूप से शामिल थे। पदयात्रा-2 के चरण-2 का आयोजन 30 अप्रैल (रविवार) को वर्धमान मिल के सामने ग्लाडा ग्राउंड में सुबह 09.00 बजे से 10.00 बजे तक होगा. तत्पश्चात उक्त पत्र/ज्ञापन की एक प्रति दलजीत सिंह ग्रेवाल, विधायक लुधियाना पूर्व एवं अध्यक्ष बुड्ढा दरिया कायाकल्प परियोजना को उनके कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे से 11.00 बजे के बीच सौंपी जायेगी। टीम के सभी सदस्यों से शामिल होने का अनुरोध है।

थाने के बाहर शव रखकर जमकर काटा हंगामा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एटा में 6 दिन पूर्व जमीनी विवाद को लेकर नामजद लोगों ने हत्या के इरादे से युवक को फावड़े से मारकर किया था घायल, जिसमें घायल अरविंद की आज इलाज के दौरान हुई मौत, पुलिस की शिथिल कार्यवाही से आक्रोषित लोगों ने थाने के बाहर शव रखकर जमकर काटा हंगामा, हत्या में मामला हुआ दर्ज परिजनों ने तब हटाया शव, जमीन की नाप तौल करते समय हुआ था विवाद,तब आरोपियों ने हत्या के इरादे से फावड़े से मृतक अरविंद पर किया था बार,गंभीर हालत में आगरा एस एन मेडिकल कॉलेज आगरा में 6 दिन से चल रहा था इलाज,आज घायल अरविंद पुत्र रामवीर की इलाज के दौरान हुई मौत, मृतक के परिजनों ने नामजद लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में कराई थी स्नद्धक्रदर्ज,पुलिस की शिथिल कार्यवाही से थे मृतक के परिजन नाराज, भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे सीओ अलीगंज सुंधांशु शेखर और एसडीएम अलीगंज मानवेंद्र सिंह, एसडीएम ने कार्यवाही का आश्वासन देकर समझा बुझाकर थाने के सामने से शव को हटवाया, थाना जैथरा क्षेत्र के गांव नगला कसे का मामला

परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-सराहनीय कार्य परिवार परामर्श केंद्र एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र में आज दिनांक 22/4/2023 को आपसी मतभेदों के कारण टूटने की कगार पर खड़े एक परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया वादिया- रूबी पुत्री सत्यपाल निवासी ग्राम नवीनगर थाना मिरहची जिला एटा। प्रतिवादी- सचिन कुमार पुत्र श्री विश्राम सिंह निवासी उपरोक्त। आपसी मतभेदों के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी, दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग पर समझाया गया दोनों अपनी गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए। आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक बेगराम सिंह प्रभारी निरीक्षक परिवार परामर्श केंद्र श्रीमती ब्रह्मबती, काउंसलर डॉ निरुपमा व श्रीमती गीता शर्मा पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथलेश व कॉन्स्टेबल गौरी मौजूद रहे।

पिता की मजबूरी न समझा बेटा: मटर बिकने तक कर लेता इंतजार तो जिंदा होता, जामुन के पेड़ पर फंदा लगाकर दे दी जान

ललितपुर कोतवाली महरौनी अंतर्गत गांव छायन निवासी पुष्पेंद्र (17) पुत्र भागचंद ढीमर ने मोबाइल के लिए 20 हजार रुपये नहीं देने पर जामुन के पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। जानकारी मिलने पर महरौनी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली महरौनी अंतर्गत गांव छायन निवासी पुष्पेंद्र ढीमर ने शनिवार दोपहर में अपने पिता भागचंद से मोबाइल लेने के लिए 20 हजार रुपये मांगे थे। पिता ने उससे दो तीन दिन रुकने को कहा और मटर बिकने के बाद मोबाइल दिलाने की बात कही। वह जिद करने लगा कि उसे शनिवार को ही मोबाइल लेना है। इस पर पिता ने झल्लाते हुए यह भी कह दिया यदि उसे फौरन रुपये चाहिए तो मटर ले जाकर बेच आओ और मोबाइल के लिए रुपये ले लो। इसके बाद पिता मजदूरी करने चला गया और बेटा पुष्पेंद्र घर से बिना बताए ही निकल गया। परिजनों ने समझा कि पुष्पेंद्र किसी रिश्तेदारी में चला गया होगा।

अगले दिन सुबह पुष्पेंद्र का बड़ा भाई अंकित मोहल्ले में ही चक्की पर गया था। तभी उसकी नजर पड़ोस के खेत में एक जामुन के पेड़ पर पड़ी। जिस पर उसका छोटा भाई पुष्पेंद्र रस्सी के फंदे पर लटक रहा था। इस पर वह जोर जोर से चीखने चिल्लाने लगा। यह देख अन्य ग्रामीण एकत्रित हो गए और इसकी जानकारी महरौनी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक दो भाइयों में छोटा था और वह दसवीं तक पढ़ा था और इसके बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी।

भाजपा ने एटा से सुधा गुप्ता, मारहरा से राजनश्री, अलीगंज से सुनीता गुप्ता एंव जलेसर से इंदूबाला कुशवाह को प्रत्याशी घोषित किया

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- भारतीय जनता पार्टी ने नामांकन की अंतिम तिथि से पूर्व एटा, मारहरा, अलीगंज और जलेसर से अपने प्रत्याशियों की सूची घोषित कर दी है। भाजपा में नगरीय निकाय अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशियों की रस्साकसी पिछले काफी दिनों से चल रही थी। टिकिट की आस में उम्मीदवार एटा मुख्यालय से लेकर लखनऊ तक की दौड लगा रहे थे। इस बीच सपा, कांग्रेस के अलावा कई निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने अपने नांमाकंन भी दाखिल कर दिये थे, लेकिन

भाजपा ने अपने पत्ते अंतिम दौर तक छिपा कर रखे। नामांकन की अंतिम तिथि से पूर्व संख्या पर पार्टी हाइकमान द्वारा सभी प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी गई। इसमें एटा सीट से सुधा गुप्ता, मारहरा से राजनश्री, अलीगंज से सुनीता गुप्ता और जलेसर से इंदुबाला कुशवाह पर अपना भरोसा जताते हुए प्रत्याशी घोषित कर दिया है। प्रत्याशियों की घोषणा पर समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुए अपने अपने गणित लगाना शुरू कर दिये हैं। वहीं बसपा ने मारहरा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। बसपा हाईकमान ने मारहरा कस्बा से निर्मलादेवी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। पूर्व मंत्री राजवीरसिंह ने प्रत्याशी के पति भरतसिंह अम्बे को टिकिट सौंपते हुए आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की है। इस मौके पर डा0 सुबोध सक्सैना, आरिफ परवेज, रजनेशबाबू, राधेश्याम आदि मौजूद रहे।

पालिकाध्यक्ष मीरा गाँधी क़ो सम्मानित

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-नगर पालिका परिषद एटा क़े अध्यक्ष के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने क़े लिए विगत वर्ष लखनऊ के एक कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष मीरा गाँधी क़ो सम्मानित करते तत्कालीन माननीय नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी, नगर विकास राज्य मन्त्री श्री गिरीश यादव जी, नगर निगम लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया जी आदि।

मंत्री जेपीएस राठौर का अखिलेश पर तंज, बोले- अपराधियों से इलू-इलू किया, तो जनता दौड़ा-दौड़ा कर मारेगी

मंत्री जेपीएस राठौर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर अपराधियों के साथ इलू-इलू किया, तो जनता दौड़ा-दौड़ा कर मारेगी। मंत्री राठौर हरदोई में स्थानीय निकाय चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। हरदोई जिले में सहकारिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि माफिया और अपराधियों पर कार्रवाई होने पर यदि सपा अध्यक्ष अखिलेख यादव इलू-इलू करेंगे, तो वह दिन दूर नही जब प्रदेश की उन्हें सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर मारेगी। मंत्री जेपीएस राठौर शहर के एक धर्मशाला में स्थानीय निकाय

चुनाव के मद्देनजर शनिवार की देर शाम कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पूर्व सीएम अखिलेश यादव को लेकर कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब से आए, तब से एक भी दंगा पूरे प्रदेश में कहीं नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि अगर किसी अपराधी माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जाती है या फिर उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाता है, तो आखिर इनके पेट में दर्द क्यों होने लगता है। ऐसी सहानुभूति अपराधी माफियाओं से क्यों हो रही है। समाजवादी पार्टी के लोग नहीं मांग पाएंगे वोट- उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आप इसी तरीके से काम करते रहे, तो समाजवादी पार्टी को जनता वोट नहीं देगी। समाजवादी पार्टी के लोग वोट नहीं मांग पाएंगे। कहा कि प्रदेश में अपराधी और माफिया नहीं आना चाहते हैं। अगर आ गए, तो किसी न किसी तरीके से उनके पापों की सजा जरूर यहां की जनता देगी।

पीड़ित ने जिला अधिकारी श्रावस्ती को प्रार्थना पत्र देकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर के कर्मचारी पर गंभीर आरोप

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पर तैनात बी सी पी एम रिजवाना के द्वारा जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत फार्म भरकर जमा करने पर रिजवाना ने ?2000 की मांग किया गया न देने पर कागजात को फेंक दिया इस संबंध में रिजवाना बी सी पी एम पूर्व मे सी एच सी अधीक्षक के समय में मल्हीपुर मे तैनात थी जिनके ऊपर सरकारी धन का गमन का आरोप भ्रष्टाचार सिद्ध हुआ था जिसमें दोषी होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व जिलाधिकारी श्रावस्ती के द्वारा इनको यहां से हटाकर जिले पर तैनात किया गया इसके बाद इनको हरिहरपुर रानी सामुदायिक स्वास्थ्य

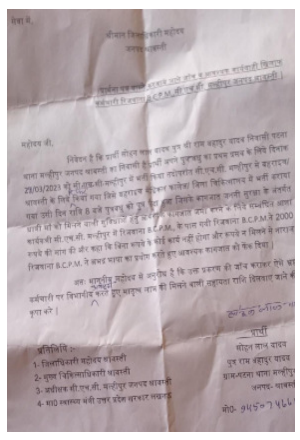

केंद्र पर तैनात किया गया लेकिन रिजवाना उच्च अधिकारियों से मिलीभगत करके पुनः अपना स्थानांतरण तैनाती समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पर पैसा कमाने के उद्देश्य करवा लिया जबकि कई लाखों का घोटाला इनके खिलाफ निकला था जिससे अधिकारी जानते हुए भी ऐसे कर्मचारी को उसी स्थान पर भेज दिया गया है।इनके द्वारा पैसे कमाने के लिए इस संबंध में सोहन लाल यादव पुत्र राम बहादुर यादव निवासी पटना बीरगंज व ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया है कि जननी सुरक्षा का कागजात जमा करने के लिए क्षेत्र की आशा बहू द्वारा रिजवाना के पास गई तो इनके द्वारा ?200 का मांग किया गया न देने पर कागजात को वापस कर दिया गया इस संबंध में सोहन लाल यादव के द्वारा जिलाधिकारी श्रावस्ती ,मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रावस्ती, समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर के अधीक्षक , व स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को पत्र भेजकर ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया है और जांच करा कर जननी सुरक्षा की धनराशि दिलाए जाने की मांग भी किया है।

हमारी मातृभाषा पंजाबी में होगी सभी परीक्षाएं - गोशा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पंजाब की तरक्की, पंजाबियों का सम्मान और आपसी भाईचारा भाजपा की मुख्य प्राथमिकता है, पंजाब के संवेदनशील और अहम मुद्दों पर अन्य पार्टियां ख़ासकर आम आदमी पार्टी की तरह राजनीति नहीं करती हैं। उक्त बातों का उल्लेख भाजपा के पर्वकता गुरदीप सिंह गोशा ने किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बिना हमारी मांग के, बिना किसी संघर्ष के, बिना किसी प्रयास के, पंजाबी भाषा को महत्व देते हुए कि अब सभी परीक्षाएं पंजाबी भाषा में दी जा सकती हैं की घोषणा कर पंजाबियों को तोहफा दिया है। इसलिए हम पंजाबी केंद्र सरकार, खासकर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बिना किसी ड्रामे, शोर शराबे के चुपचाप पंजाब और पंजाबियों के हित में काम कर रही है और आगे भी करती रहेगी। हम आम आदमी पार्टी सरकार की तरह झूठे और मनगढ़ंत विज्ञापन देकर जनता को गुमराह नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर दिए हैं, कि अब सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआरएसएफ, भारत-तिब्बत सीमा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा और सभी केंद्रीय बलों की परीक्षाएं हिंदी और अंग्रेजी के अलावा पंजाबी में भी कराई जाएंगी। पंजाबियों के लिए बहुत खुशी की खबर यह है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारत के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भी पत्र लिखकर कहा है कि कि वे छात्रों को पंजाबी भाषा में भी परीक्षा में बैठने की अनुमति दे, भले ही उनका अध्ययन कार्य अंग्रेजी में ही प्रस्तुत किया गया हो। उन्होंने कहा कि पहली बार केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग अपनी भर्ती परीक्षा के पेपर हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ पंजाबी भाषा में भी आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि अब यह पंजाब सरकार की जिम्मेदारी है कि वह नए फैसले को लागू करे और पंजाबी भाषा के लिए ईमानदारी और प्राथमिकता के आधार पर काम करे। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार जल्द से जल्द आवश्यक पंजाबी पाठ्यपुस्तकें तैयार करवाए। उन्होंने हैरानी जताई कि पंजाब के मुख्यमंत्री या किसी मंत्री ने इस बड़े फैसले की जानकारी पंजाबियों को नहीं दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पंजाब और पंजाबियों के हित में एक के बाद एक फैसले ले रही है और पंजाब के लोग भारतीय जनता पार्टी में अपना भविष्य देख रहे हैं, जिससे अरविंद केजरीवाल की पार्टी की सरकार और अन्य राजनीतिक दल घबराएं हुए है।

पुलिस अधीक्षक ने नवनिर्मित पुलिस चौकी बंठिहवा का किया उद्घाटन

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने थाना कोतवाली भिनगा के अंतर्गत चौकी बंठिहवा का उद्घाटन किया । उद्घाटन समारोह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। जिसमें क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधान व सम्भ्रांत नागरिक मौजूद रहे। आपको बता दें कि अब चौकी बंठिहवा को अपना नया भवन मिल गया है, जिसमें चौकी कार्यालय, आरक्षी बैरक, भोजनालय, इंचार्ज कक्ष, स्नानागार आदि बनें हुए हैं। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली भिनगा व चौकी प्रभारी उ0नि0 योगेन्द्र बाबू द्वारा क्षेत्र के सम्मानित संभ्रांत लोगों से वार्तालाप कर जन

सहयोग प्राप्त कर चौकी बंठिहवा का नवनिर्माण कराया पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित सभी संभ्रांत व्यक्तियों से वार्तालाप कर कुशल क्षेम जाना तथा क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त की, साथ ही साथ सभी को चौकी के नवनिर्माण में किए गए जनसहयोग के लिए धन्यवाद दिया।उद्घाटन के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर/लाइन अतुल कुमार चौबे, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली भिनगा जितेन्द्र कुमार सिंह चौकी प्रभारी उ0नि0 योगेन्द्र बाबू, पीआरओ पुलिस अधीक्षक अर्जुन पटेल सहित क्षेत्र के संभ्रांत लोग व अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

सीमा गुप्ता गुप्ता जी ने अपना नामांकन एटा कलेक्टेड में जमा किया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस की सम्मानित प्रत्याशी के रूप में एटा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद हेतु श्रीमती सीमा गुप्ता गुप्ता जी ने अपना नामांकन एटा कलेक्टेड में जमा किया इससे पूर्व प्रातः 11:00 बजे से पूर्व सांसद श्रीमती सत्या बहन के गांधी मार्केट कैंप कार्यालय पर प्रत्याशी और पार्टी समर्थकों की अपार भीड़ एकत्रित थी जिन्होंने माला और पुष्प भेंट कर मिठाई खिलाकर सीमा गुप्ता जी का सम्मान किया और अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित वार्ड नंबर 4 लालपुर से कांग्रेस सभासद प्रत्याशी श्री सनी आजाद एवं वार्ड नंबर 5 पटियाली गेट से श्रीमती नाजिमा वार्ड नंबर 10 पंजापुरा से श्री आमिर अली वार्ड नंबर 18 से रेवाड़ी मोहल्ला से श्रीमती नरगिस वारसी ने किया नामांकन इस अवसर पर गंगा सहाय लोधी जिलाध्यक्ष ठाकुर अनिल सोलंकी कार्यवाहक जिला अध्यक्ष विनीत पाराशर बाल्मीकि शहर अध्यक्ष आशिक अली भोले पूर्व शहर अध्यक्ष तारा राजपूत एआईसीसी सदस्य राम कुमार सक्सेना शत्रुघन चौहान आशू यादव पीसीसी सदस्य महिला जिला अध्यक्ष सरिता अंबेडकर वसीम सलमानी भोला गुप्ता संगठन उपाध्यक्ष आबिद अली सुभाष सागर पूर्व सभासद चंद्रकांत गांधी मुन्नालाल पाथरे रजनेश पाराशर देवेंद्र प्रताप लोधी प्रमोद कुमार बंटी संजीव गुप्ता शिवदत्त उल्लाह खान जयकुमार रियाज अब्बास सुल्तान अली अब्बास जितेंद्र सिंह बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे

निशा कांत शर्मा की भांजी आयुष्मति उर्वशी शर्मा शुभ विवाह संम्पन

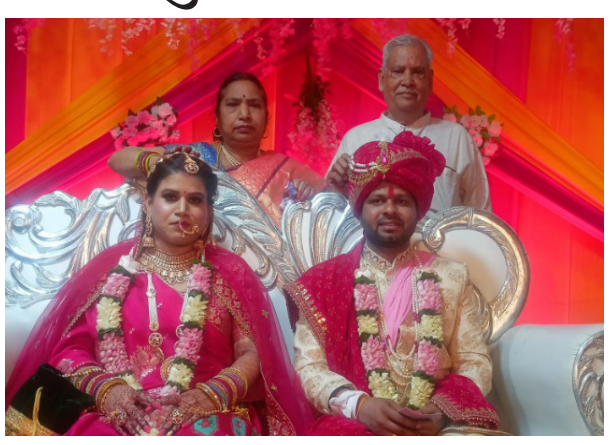

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-अलवर-दैनिक समाचार पत्र कियूं न लिखूं सच के सह संपादक निशा कांत शर्मा की भांजी आयुष्मति उर्वशी शर्मा पुत्री श्री महेश चंद शर्मा वरिष्ठ विद्युत राजस्थान विद्युत निगम के सेवा निवर्त वरिष्ठ अधिकारी महेश चंद शर्मा पत्नी श्रीमती शशि शर्मा का शुभ विवाह आज राजस्थान के शालीमार अपना इन मैरिज होम में सादगी के साथ संपन्न हुआ यह विवाह उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी डॉ हीरालाल शर्मा के पुत्र शशांक शर्मा के साथ संपन्न हुआ इस विवाह समारोह में राजस्थान के वरिष्ठ सम्मानित नागरिक एवं विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी के साथ राजनीतिक व्यक्ति भी शामिल हुए वहीं दूसरी ओर वर पक्ष से जनपद बिजनौर के संभ्रांत नागरिक एवं उनके रिश्तेदार के साथ राजनीतिक दलों के व्यक्ति भी शामिल हुए आयुष्मति उर्वशी शर्मा एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी में इंजीनियर पद पर तैनात है तथा शशांक शर्मा प्रशासनिक सेवा में कार्य हैं नव दंपत्ति को आशीर्वाद देने के लिए हजारों लोग उपस्थित हुए

डी.एम.ने जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय का निरीक्षण कर लिया जायजा

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती- जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिनगा में स्थित जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी कार्यालय तथा वहीं पर संचालित होम्योपैथिक चिकित्सालय का भी निरीक्षण कर जायजा लिया। तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में संचालित होम्योपैथिक चिकित्सालयों का स्वयं निरीक्षण करें और सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त रखें। निरीक्षण के दौरान ज्ञात हुआ कि होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा0 बृजेश चौधरी तथा आउटसोर्सिंग कर्मचारी प्रिया चौधरी, मनोज चौधरी आकस्मिक अवकाश पर पाये गये तथा आउटसोर्सिंग कर्मचारी दिनेश अनुपस्थित पाये गये। जिस पर जिलाधिकारी ने जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी को निर्देश

दिया कि अनुपस्थित कर्मचारियों से जवाब-तलब करते हुए रिपोर्ट प्रेषित की जाए। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि बिना अवकाश स्वीकृत कराये कोई भी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं फार्मासिष्ट मुख्यालय कदापि नहीं छोड़ेगे। किसी भी चिकित्सक या फार्मासिष्ट को अति आवश्यक कार्य से यदि मुख्यालय से बाहर जाना है तो अनुमति लेकर ही जायेंगे। यदि किसी भी प्रभारी चिकित्साधिकारी या फार्मासिस्ट बिना अनुमति के चिकित्सालय से नदारद पाये गये तो निश्चित ही इसे अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होने जिला होम्योपैथ चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी होम्योपैथिक अस्पतालों का समय से संचालन प्रत्येक दशा में सुनिश्चित रखा जाए, ताकि सम्बन्धित क्षेत्रों के मरीजों को कोई दिक्कत न होने पाये। उन्होने अस्पताल खोलने तथा बन्द करने के समय की लाइव लोकेशन फोटो भी प्रतिदिन मंगवाये जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि चिकित्सालयों को निर्धारित समय से खोला जाए और निर्धारित समय पर ही बन्द किया जाए। चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों का अनिवार्य रूप से पंजीकरण किया जाए और उनका स्वास्थ्य परीक्षण करके निःशुल्क दवायें भी उन्हें मुहैया करायी जाए। और इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि मरीजों की बाहर की दवायें कदापि न लिखी जाए। यदि किसी भी चिकित्सालय की निर्धारित समयानुसार ने खुलने की शिकायत मिलती है तो निश्चित ही सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

राजपूत समाज व भाईचारे की बेहतरी के लिए दी गई, अमूल्य सेवायो को देखते हुए स्व:दलीप सिंह कडवल का चित्र राजपूत भवन में सुशोभित किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - राजपूत समाज व भाईचारे की बेहतरी के लिए दी गई, अमूल्य सेवायों को देखते हुए,रविवार सुबह 10 बजे, प्रदेश राजपूत सभा,विश्वकर्मा चोंक स्थित राजपूत भवन के मीटिंग हॉल में स्व-दलीप सिंह कडवल के चित्र को,उनके पारिवारिक सदस्यों की उपस्थिति में सुशोभित किया गया । इस मौके पर सभा जिला प्रधान परमदीप सिंह जौड़ा ने कहा कि स्व-दलीप सिंह की याद हमेशा हमारे दिलो में वस्ती रहेगी । उनके राजपूत समाज के प्रति किए गए कार्य हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।पंजाब प्रधान कुलवंत सिंह चौहान ने कहा कि देश

व समाज की सेवा करने वाले का सम्मान करना हम सब की सामाजिक व नैतिक जिम्मेवारी है। वर्णयोग है कि राजपूत भवन में राजपूत समाज के लिए अग्रणी योगदान देने वाले व्यक्तियों का चित्र सुशोभित करने की परम्परा रही है । इस मौके पर लुधियाना स्वर्णकार संघ रजि- के प्रधान गोपाल भंडारी ने कहा कि स्व-दलीप सिंह कडवल ने अपना पूरा जीवन राजपूत व स्वर्णकार भाईचारे की बेहतरी को समर्पित किया और ऐसे समाज सेवी को हम अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर गौरवमय महसूस कर रहे है । इस मौके पर स्व-दलीप सिंह कडवल के बेटे जसपिंदर सिंह कडवल,जसवंत सिंह कडवल,बेटी मंजीत कौर, पुत्रवधु हरप्रीत कौर,राजपूत सभा के रंजीत सिंह,हरजीत सिंह,दलीप सिंह भम, कमान सिंह,महिंदर सिंह,बलजीत सिंह, सुभाष वर्मा,रमेश कण्डा, जस राजपूत,सतिंदर सिंह, जगतार ,सतनाम सिंह व अन्य सदस्य शामिल हुए ।

Venkatesh Prasad's tweet after Lucknow's defeat against Gujarat, wrote- He did not apply his mind

Lokesh Rahul batted very slowly in the match against Gujarat and his team lost the match after reaching the threshold of victory. After this Venkatesh Prasad targeted the Lucknow team. The Lucknow team, which is performing brilliantly in IPL in 2023, has faced defeat in the match against Gujarat. After this defeat, the batsmen of Lucknow Super Giants are being heavily criticized, because this team lost the match while chasing the target of 136 runs. Former India fast bowler Venkatesh Prasad has also criticized the KL Rahul-led Lucknow Super Giants. Chasing 135 runs in this match, the Lucknow team scored 105

runs in 14 overs and this team needed 31 runs in 36 balls to win. Rahul was playing with a half-century and Krunal was also looking in good touch. There was a half-century partnership between the two. In such a situation, Lucknow's victory seemed certain, but Krunal was dismissed in the next over and the match was overturned. In the last six overs, the Lucknow team could score only 23 runs and lost six wickets. Because of this the team lost the match. Rahul played a slow inning of 68 runs in 61 balls in this match. He scored 50 runs in the opening 33 balls, but managed only 18 runs in the next 28 balls. Due to Rahul's slow batting, his team lost the winning game and he is being criticized. Former Indian cricketer Venkatesh Prasad tweeted “When 30 runs are needed from 35 balls and the team loses with nine wickets in hand, the batting must have been very poor. In 2020, Punjab had lost some matches which they should have won easily. Gujarat did a great job with the ball and good captaincy from Hardik, Lucknow didn't show their brains." What happened in the match? - Gujarat batting first scored 135 runs while batting first. In response, the Lucknow team could score only 128 runs and lost the match by seven runs. Captain Hardik Pandya scored the maximum 66 runs for Gujarat. At the same time, Wriddhiman Saha played an inning of 47 runs. Krunal and Stoinis took two wickets each for Lucknow. In response to this, captain Rahul scored the highest 68 runs for Lucknow. However, apart from them, only Kyle Meyers (28 runs) and Krunal Pandya (23 runs) could touch the double figure. Gujarat's Mohit Sharma and Noor Ahmed took two wickets each.

Chennai Super Kings' problems are not reducing, Ben Stokes is injured again; Coach confirmed

Stokes was bought by Chennai Super Kings in the IPL 2023 auction for Rs 16.25 crore. He has so far missed four matches for Chennai this season. Chennai Super Kings head coach Stephen Fleming has confirmed that star all-rounder Ben Stokes has been injured again. For this reason, he has been away from cricket for a week more. This statement of Fleming has come to the fore after the victory over Sunrisers Hyderabad on Friday (April 21). After playing the first two matches of CSK, Stokes was ruled out due to a toe injury. Stokes was bought by Chennai Super Kings in the IPL 2023 auction for Rs 16.25 crore. He has so far missed four matches for Chennai this season. Fleming said, "Ben Stokes has a back injury and he is out for a week." Stokes getting injured is a blow. He is working really hard to recover. No one can do anything about it. He just needs a little bit of luck." Dhoni taking care of his knee: Fleming- Fleming also gave an update on captain Mahendra Singh Dhoni's injury. He told that Dhoni is taking good care of his knee injury. Fleming Said, "Dhoni is absolutely fine. He is managing his injury well. He is available for the team. He always puts the team first. Had he known that he could not contribute due to injury,

Batting first after losing the toss, the Hyderabad team could score only 134 runs in 20 overs losing seven wickets. In response, Chennai scored 18.4 Achieved the target by losing three wickets in the over. Devon Conway scored an unbeaten inning of 77 runs in 57 balls with the help of 12 fours and a six. Chennai's fourth win in the season - Chennai's fourth win in six matches this season The team has lost two matches. With eight points, the Chennai team is third in the points table. They have equal points with Rajasthan and Lucknow Supergiants, but Rajasthan have the best run rate among all and because of this, RR The team is on top. Lucknow is second and Chennai is third.

RCB will come on the field wearing its lucky jersey, will give a tough fight to the Ranbankurs of Rajasthan

So far in IPL 2023, Royal Challengers Bangalore (RCB) have lost 3 matches and won 3 matches out of 6 matches. Let us tell you that today i.e. on April 23, RCB will be seen playing

against Rajasthan Royals wearing green jersey at Chinnaswamy Stadium. This was information given by RCB through tweet, in which he also told the fans about buying it. Let us know through this article why RCB wears green jersey? Actually, in the 32nd match of IPL 2023, Royal Challengers Bangalore will take on the field wearing green jersey in the match against Rajasthan Royals. So far in the history of IPL, the RCB team has won by wearing this jersey for a total of 3 times. Let us tell you that at the Chinnaswamy Stadium, the RCB team will also enter the field with the intention of winning by wearing the green jersey. Wearing the green jersey in the year 2011 and 2016, the RCB team got the final ticket after winning. In such a situation, this jersey has also been lucky for the team. In such a situation, this time RCB will wear this jersey on 23 April. Giving this information on Twitter, he has told the fans that his jersey is made of 100 percent recycled material, which fans can buy through RCB's official website and app. Know why RCB wears green jersey every year? - Year 2011 IPL Since then, the RCB team wears the green jersey every season because it tells the whole world the importance of the environment. RCB wears this jersey to give people a feel of greenery to keep the environment green and safe. If the environment is safe, everyone will be safe. In order to stop the increasing pollution, there has been an urgent need for people to spread greenery in every way. When there is no greenery in the world, global warming will increase and temperature will increase.

'Jalda Lautega Hamara'... After the victory, Sam Karan revealed the inclusion of this player in the team

In IPL 2023 (IPL 2023), the 31st match was played on Saturday. Mumbai Indians suffered a 13-run defeat at the hands of Punjab Kings at the Wankhede. Batting first, Punjab scored a mammoth score of 214 runs. In response, Mumbai could only score 201 runs. Arshdeep bowled well. Two Mumbai batsmen were dismissed in the last over. After winning the match, Sam Karan said, 'Very special. What a wonderful field. The atmosphere here is incredible. This win is very positive for us. I don't think I should get man of the match, because the boys performed well. 'Disclosure about Shikhar's fitness- Sam Karan further said, 'Without Shikhar, we know that we had to take that responsibility. Our team is coming together really well. Shikhar will be fit soon. We won 4 out of 7 matches and that is not bad news. There has been a lot of support from the management and the local people. The boys are enjoying the match, and there is still a long way to go and the important thing is to enjoy the game and not put too much pressure on ourselves. Kings have 8 points from seven matches with 4 wins and 3 losses. He has reached the top 5 in the points table of IPL 2023. At the same time, Mumbai slipped to 7th position with 3 wins in 6 matches.

Kajol got upset and abused the trolls! cryptic note created panic on social media

Kajol has created a stir on social media by sharing a cryptic note. The actress has been seen taking on the 'coward' people of both genders. Bollywood actress Kajol remains in headlines for her strong personality in personal life as well as playing a fearless role on screen. From time to time, the actress is seen teaching a lesson to the trolls with her statement. In this episode, Kajol has increased the stir of social media by sharing a cryptic note. By writing a note, the diva has slammed the 'cowardly' people of both the genders. Kajol creates panic with cryptic note- Kajol is one of the biggest Bollywood actresses of Indian cinema, who recently completed 31 years in the film industry. At the same time, the actress created panic by posting a post late on Saturday night. The actress shared a cryptic note which read, 'Both genders have their own set of cowards and one is *##***less. Their merit or their disqualification is seen according to gender. Along with this, Kajol has used the hashtag 'disshithome'. Kajol lashed out at trolls- Kajol didn't stop here and shared Rumi's line on her Instagram story, which read, 'Goodbye is only for those who love with their eyes. For those who love with their heart and soul, there is no such thing as separation.' Allegedly this post of Kajol is from all the news related to the actress. Many channels of different social media platforms are sharing such news related to Kajol, which has upset her a lot. Was in discussion for Nysa turned 20 on Thursday and Kajol spoke of being proud of her. Sharing pictures with Nysa, Kajol wrote, 'It is always us and our story. Love your sense of humor and your brain and your oh so very sweet heart.. love you to bits baby girl and may you always smile and always laugh with me!' On the work front, Kajol was last seen in the film 'Salaam Venky'. In the coming days, she will be seen in Ibrahim Ali Khan's debut film, whose title is yet to be revealed.

Sunil Shetty's anger erupted on netizens, said - I will not sit silent after seeing all this

Bollywood actor Sunil Shetty often remains in headlines for his reel and real life. The actor likes to keep himself and his family very personal. Sunil does not want to talk about his family or personal life on social media. The actor prefers to use social media only for his professional work. The actor, who has showcased his stellar performances in Bollywood films, recently made several revelations during a talk show. He said that there is no privacy in the era of social media. Your one sentence is shown in 15 different ways. It is presented in many different ways. The actor further said that social media has destroyed our lives. I am scared to even talk about it. According to the actor, things happening on the internet have forced him to be diplomatic. He said that he does not like at all that his family is said good or bad on social media. The actor says that he is of old thoughts and he feels very bad seeing all this on social media and seeing all this, the actor Not going to remain silent. Talking about the actor's work front, Sunil was seen in the recently released web show Hunter. Also present are actors Hera Pheri 3B. Sunil's fans are very excited about his film.

Samantha taunts producer Chittibabu, says people have grown hair in their ears

Recently, producer Chitti Babu commented on Samantha's career after her film 'Shakuntalam' failed at the box office. Now Samantha has retaliated on her statement. Actress Samantha Ruth Prabhu is often in media headlines. Apart from films, the actress is also in the news because of her personal life. Recently, Samantha attended the world premie of the series 'Citadel', after which once again people have started peeping into her personal life. Recently, producer Chitti Babu commented on Samantha's career after her film 'Shakuntalam' failed at the box office. Now Samantha has retaliated on his statement. Chitti Babu taunts Samantha- Recently, in his recent interview, Chitti Babu has taunted Samantha saying that Samantha's career in films is over, and now she cannot get stardom again. According to media reports, Tripuraneni Chitti Babu said this claim after seeing Samantha's way of film promotion. Not only this, he also accused Samantha of using her illness and health condition to promote the film. Samantha also hits back- Now Samantha has written on her Instagram post that she was searching on Google "how do people grow hair from their ears". She shared the screenshot of her search with the hashtag. Now after this post of Samantha, people started speculating that she posted this to make fun of producer Chitti Babu. She was seen in the film 'Shakuntalam'. Let us tell you that the film 'Shakuntalam' is based on Kalidasa's play 'Shakuntala', which is a mythological epic story. Dev Mohan is seen in the lead role along with Samantha in the film. Also in the film is the daughter of South Superstar Allu Arjun. Allu Arha appeared as 'Bharat'.

The explosive teaser of 'Ruslaan' released, Ayush Sharma was seen doing tremendous action

Aayush Sharma is returning to the big screen in an action avatar with his upcoming film 'Ruslaan'. Its teaser has been released today. Salman Khan's sister's husband and actor Aayush Sharma has so far appeared in two films. While one was a love drama film, the other was an action packed film. Both the films did not get much good response from the audience, but Ayush Sharma is once again returning with his action avatar among the fans. After 'Last', Aayush Sharma is coming with his film 'Ruslaan'. After the announcement of this film in the past, now the first teaser of 'Ruslaan' has been released. Ruslaan teaser released - Aayush Sharma is returning to the big screen with his upcoming film 'Ruslaan' in an action avatar.

Its teaser has been released today. In the video, Ayush Sharma is seen doing tremendous action. 'Ruslaan' is an action thriller film directed by Katyayan Shivpuri. Looking at this teaser, it is known that it is going to be a spy thriller film, in which Ayush Sharma is seen doing tremendous action. The teaser of the film is full of action – along with Aayush Sharma, Jagapati Babu is also seen in the teaser. Where in which character of Aayush Sharma is, it has not been revealed. But Jagapathi Babu is seen playing the role of a policeman in the film. Ms. Mishra is playing the lead role in the film. The film is produced by KK Radhamohan. This film is in post production. Sharing the post on Instagram handle, Aayush wrote, 'I am impatient, impulsive and do not follow protocol at all. That's why I am known as Ruslan. I am coming with my hand, gun and guitar because this time the guitar will play as well as the gun. Teas released.'This is how Aayush's film journey- Talking about Aayush Sharma's workfront, the actor was launched in Bollywood by his wife's brother i.e. Salman Khan with the film 'Loveyatri'. This film flopped badly. After this, he was seen in the film 'Last - The Final Truth', in which Salman Khan was also in the lead role with him. But the fate of this film was also bad. Now Ayush Sharma is once again coming on the screen, it has to be seen what response the fans get to this film.